नेपर्वतनमुसकायक हतभइलालनपठेपठ
ये ॥ ८ ॥ इति ज्योतिर हस्य ॥ अथ पंचमीर ह
स्य ॥ लालनमको हेनहोवाती ॥ कीजेन
जीभगनीकछुसिषये कीयहलागनकाती
१ यहनहोयघनेतोरवाप्रिवकरनारिता
उकाघाती ॥ यहदेषतनसेकासीउपजीदिल
महमानुकापाती ॥ २ ॥ कोटरेभगनीकोह
रेजोमेरुमगनसोहाती ॥ जोमंगोसोहरई
सौडिलेनेनिभानेकावकुजाती ॥ ३ ॥ कोपा
तीलेजाउघरेतोमानुवर्षदशकाती प्र
रिहैंसिकहैमानु नाजानीतिहमेरेवात
नाती ॥ ४ ॥ तुमहसवमिलिकातिदेउकि
नघाचातुरविभाती ॥ सुनतवचनहमषमो
रिहंसीसवकोउकोउकूटकेघाती ॥ ५ ॥ सु
रतिषिंबोटफाटजनिजानोरघुवंसिनं
कीजाती ॥ जोनाभेपोसोहिनसानुकरप्रभु
गतीसंघाती ॥ ६ ॥ लगीं असोसेमनायसं
भूरधोहमोहमहमाती ॥ वनीरहैलाल
नललनोतनअचलप्रीतिहै ॥ ७ ॥

ला
लइन देवि के लागो पाये करजो लेपद जो
रिलाडिले विनेकरे मिरनाये १ यह मरी
कुलपूज भवानी तुलेउ चित लोचाये
परमानंद होय दूनो दिन इनके पूजिये
जाये २ नाई री मैं जप तप संजम नाके
कुगायेव जाये के वेला विनेमा चकरजो
रनइ वनी सरल सुभाये ३ सर्वोविस
मातमो द प्रदर्क हित हवन सति भाये
गिपाइ पीर दीन भाव धीरवा है कोध
लवाये ४ प्रभु हैं सिक ह वैसो है इवी
वे हैं वइन डराये कौध प्रसन्न जो नेक
सवारे हैं विना सहपलषाये ५ ईहमरी
नहगोच मापाइ वहिन ओगे दषाये ६
रि हो जनि छुये हु ओषहु हैतु नविना
नहाये ६ गर जन सरामना हे घूं उदे ह
मतिमरूप चोराये इन हैं विन के नाम पर
गहे हैं पहलेत चढाये ७ हम का काहे
सीमग नैस्पन्ने लेरुज नहमजाये जं

पीहि तन मा वहु रामिलै गानाहि
ल्पैं ठविला वल्पै कुवार हौं सहौं सन न
न न चाई ॥ गारि है । हे तन व भ हौं स उ
भगिनी भातु लगाई ॥ पठो व हु न उ न सा
इश्वर पा हथ नारि सकैं लइ छा सो ॥ घरे व
रे परखारखारि स वलु है मन न हु सुष रा सो
उनि न सा षेवे मि तु हं भे षिम षेक छु कह
स्य:म्र तु मा ना ॥ प्रभु तन चितै चितै सी
ना स न च हु रि भ सैं मा ना ॥ एहु प्रबंध
ज क्वै धो च हौं हि सरभि क प ट सै य जा
ना ॥ १६ वारे वे हराय च है ठ मै फौ न ःश्रं
सुपणा ना ॥ ज्ना स उ ठ न र सु व र हौं स ठे भै
सुभ गा सं वां री पा गा ॥ श्रप र स षी र सु व र
हि ग वै ठौ ःश्रं गु ठ ना सु म षला गा ॥ प्रभु
हं च क गु स कानि मे ह्ला षि सकु च सहि
न हैं सि नारी ॥ बा म हि हि नौ हि स सषा ःश्र
गु ज स व हैं स त भ य है नो री ॥ स षि तु ल
र गु न हौ तो हम नै या न षि का ह न ना से
ःश्र सी भो र सु सी ल्न ग हीं व नि ःश्रु ठ ना स
गु ष ना से ॥ यह प्र प मा न स हे को ना ई न

जैनपर्वतनसोप्रभुपाणिकांहिनकैसहिसा
हसकुचाती ॥ ८ ॥ हानिकाजीरहस्य ॥
अपत्नहिकौरिरहस्य ॥ काफी ॥ रघुव
रहपनिहारिकेगईपरमप्रवीननमाहि
आकर्णमंपुनकेरपरिपूरनसखिनसे
आसरपाई ॥ प्रभुनगरीतिलहकोरिमन
हितरघुवरचलीलवाई ॥ हिंचितहन
लैगईजहांसषिसियविप्रगोधनसोचा
मेलकपूरअरगजामुकुंममाविरहोज
न्हौचा ॥ ताहिरघुनाथगहिसगने
[illegible]करिश्रामसननेवेडोर ॥ तोहिसनमुष
वैठारेजानकीमंगलगीतउच्चारे ॥ चहु
दिसिघारलिहोमस्रानैजिनकोनचेहे
दुगलाह ॥ रामचंदनजोहिजौननारा
नाजननेतोषतासचकाह ॥ सोघटनषोडे
आरसेवाहिकआनिघरीभरिथारी ॥ ल
ओंजेवनरामातिवाकरहासकगीत
उचारी ॥ जैजैशीतनिकरिपुरमेलाडिलेसि
षकमलकरमाहि ॥ ग्रहआंसर १६७ ष

न्यागरईकोउसुरमाही॥ निजनिजउ
रिकहैलहन सखिकैनविधपतन
परी॥ सेवनमारहसोउधि ग्यागरको
लोविहतन नारी॥ बुद्धिउहपेलोग्य
सेखकनतुनितुसैलछलनाही॥ स
वप्रकारसोषिमेखतुमानाईचारिउसु
तिग्याही॥ यहसुनितवनसषीसुषमा
नासत्यसत्यपनवचनानी॥ तउपरे प्रपर
संषीहंसिवेलीप्रुगिगनहपरमतयानी॥
यहसैषिवहुतलख्यानहिंसतेममम
मनकीसुनिलीजे॥ सत्यसत्यउजो
लीषसवसैपितयतनतउनरहीजे॥ इ
नकोगानवक्रश्रीमरलोसुनतपरम
मधुराई॥ जथास्वाहकहुमेइनलाय
लटेहिसुमषिमठाई॥ यसंषिचारिस्वा
इसुनिगायेतेइहपचोरिस्वाये॥ यहसु
निताहिमराहिसकलसषिमननमा
श्रीसुषपाये॥ तोहिछनमध्यप्रपरस
खिहंसिवोलतभईकरजोरी॥ इनको
मनप्रगारस्यथाहकैमेलखुजउमति

पारसपाललिक्रूरी ॥ अपरकौनसचरा
चर।पहिगोतिमरनेजैरजलवूरी ॥ कोहि
कोहिअमितनेमेजुतयानेनाहिवहुत
छिसिखापा ॥ सोसोषसकुचसमुइथूइ
जेअपरसषिनासिरनाश ॥ रघुअरसौ
सनाजसकुचवससानाहिअनुजने
गरे ॥ सकलसषिनसतोषहितहरिस
षप्रहवचनउचारे ॥ भईमगनजसप्र
थमकहिमेरोमरोमफुलमानो ॥ सर
दचंदजिमिअमितचकोरचितवेप्रीति
अधिकानी ॥ हरमहाप्रभुजनवासेको
हिमचंद्रूपउठारा ॥ वेलेजानतअंगना
दूधंउजतसाक्षीविरुपअपार ॥ सम
कोउपतिघनिकोसिसमाधेनपजेनक
धनिसीता ॥ हमकहुधन्यप्रन्यकृतपूरन
जोइनहरसनेहीता ॥ नसमानसमि
हिषभुजानहिः यहाविचित्रजगमाहि ॥
अपनआपअपेनाहि हिथपगहोनहार
अस्नाहि ॥ हेथोमनंतावचारिइनकोग
लितरअवमाईनोहि ॥ रूपसीलसवरौग

रसवभापै ॥ इच्छ इलन नवलन नेपोषन नेज
नधारन हि आगआपै ॥ वडे भाग अहय
इक्षकृत मोषइन केहर तन नपापै ॥ मह सु
निपमैमो इपारपूरनसवन नपिननेस
रनीपै ॥ अति अनुराग मगन मन पुनि
पुनि पुलकि उठी सब नारी ॥ नेहिं अस
रव रसुषपारपूरनकीहिन सबै मुनि चा
री ॥ यह रहस्य रघुनाथ पियारी जे सुनि
है अरु गैहै ॥ परम अनूप सनकल ई छित
फल ते निश्चै कारे पैहै ॥ इति श्रीलवकौ
रहस्य संपूर्णं ॥ २ ॥ अथ जनक की
रहस्य ॥ बिहाग ॥ जानि कोघ रैन सषी
सुभग जोसंग ॥ तरुनी तरुन चपलर
निवरनी मन हरनी मद उअंग ॥ मसल
करै परसपर हिलि मिलि प्रेम पेक को घ
रैं ॥ नाम कहौ निज निज मन ते न थके चं
चल द्रग कोर हरैं ॥ अंग लिकोरै वसन
उजारे ठाठ करै सव नारी ॥ नगर सुघ्र
तानि सवे लेन भइं रहिगइ जनक इ

चारी॥उभयअग्ररसअग्रउनचरनतजोजेहि
मगतेहितसफलपइजोहीं॥मनमनन
ग्रसअनुमानपरतसषिईचारिउ
नश्राहीं॥यकुककहेसाषयहीमतिहैजो
कछुकहेउवुझाई॥होइनहोइईसजा
नैयहमनइरस्ग्रसठहराई॥सामहान
ग्रहइंइमेहसाषिईनपैकेउनचारी॥
राजेउभनेहिषिवालकविनभयेश्राय
नउधारी॥पुनिअग्रसिउगिकअपरसषिसुं
हरिकहेउचिंहिसिरदुवानी॥वहुनअ
नकवानेकहेसाषपेमनइरस्ग्रसठह
रानी॥गुरनरसुनिगंधर्वजअहि
जीवचराचरजोई॥संततकोटिकोटि
अभिलाषाइन्हैचहतसवकोई॥अर्थधर्म
मेंश्रहरताममोक्षसाषिईचारीफलश्रा
हीं॥याहिमाककुलसैउनसजतीसाप
कहेंतुमपाहीं॥तोहिमायकसाषिपरम
प्रवीनीतोहिसराहिउसकाई॥लागीक
हैश्रापउरसाउमिसवजनसमीपगोला
ई॥सेसमिवनगमुहइवलोछितसवश्रका

घोरहमहाकोठ निनकेनाकुछु बली
सषाची ॥ तवसिषकोहैनोमनिजपतिको
वुकहमबालसषियेंगे ॥ रघुनायक
पुवरंरघुनंहनरघुकुलमनिरघुबंस
सषीकहैहमहवहु चातुरतिनकेकरगु
हरावे ॥ जौननोमकसंग घेरोलोडेलो
जौनवसिष्ठ चरावे ॥ छोकिश्रमारकरगा
सुषमागरयलबृषि सौ गनचामा ॥ श्रा
हिरकारमकारश्रंतमा पहनिजपतिक
रनामा ॥ सषीकहैहमहंश्रमजानितरा
मनामतोकंता ॥ पैतुलरसुषतेनिक
साउवयहैवातहेंतेंतो ॥ तोहिश्रमरजप
जनकश्रशेसकलरहीसकुचाई ॥ जा
उसिपानुलैमानुपोलोवेगसीचलीलै
वाई ॥ सीताकीरहसमोवनेंडरकारि
वडेसुलासा ॥ कैहैपरमडधीनारंभनरगा
ग्रतपर्वतहासा ॥ इतिश्रीकृष्णकोरहस्य
[illegible]
[illegible] ॥ सुनिबेरहस्य या श्रीराधा सुष
हानि ॥ प्रानसमेरविउहितमेषमानिनो

तारी ॥ प्रथमगोहौनौतिउमगोजिनको
कहौनिजानिजपतिनामा ॥ सियसको
चौनकाहुनसनैनछुपाइरिषिसिको
रैगामा ॥ श्रवकसमकुचिकरोश्रवनी
मुषकहौमेहमुसकाई ॥ गोठगहौनि
उरसंगोजिनिननाहिकछुजाननोच
साइ ॥ हमसननहठिहठिनामकहाये
उघिनलीनहेनाहिगेचौ ॥ तुमनोषीक
सकौसयानौहमनाहीश्रसकोचौ
येनकहेईश्रसनामनिहैलीजेसंग
लेवाई ॥ श्रावनवैगिपठेजनयामे
जहबखानसमुझाई ॥ भ्रुतिकीरीतिन
वकहौसखुहनभरनमोडवीकोह
मेहरवरननतवकेयोउरखिनालषन
हमारैनाहा ॥ धारयकहौसिकियोम
वेजुवतिनतुरतनाधिपेगाहलीन्हौ
तुमहंनामकहौनिजपतिकोजायह
कौतुककीन्हो ॥ सकुचिसियाकहैमेन
हिजाननकहैसषीयहवानौ ॥ पाले-

बोलमराला ॥ सोभातिंभविलोकिप्रेमनव
समुदितनभईसववाला ॥ १ ॥ रघुवररूप
निहारिकैगईप्रमसुधीमननमाहीं ॥ पार
भूमिजनेभागसराहतनेमुरोमपुलकों
हीं ॥ [illegible] ॥ प्रेमपेकसनकहेंप्रतपरस
जेकुवरसुठितोन ॥ भयेनअग्रपेअवेनाहि
हेपयतअसहश्रमनाहिहोने ॥ नेननके
फलतेलेउसखीअवपहसवउन्यप्रभाऊ
मनवोछितनतसहेषितेउकिनअवजानि
नाजलजाऊ ॥ एककहेहीनयसियछवि
निरषेपलकेकलपयिताप ॥ मानेजुवति
नवासिनारयेकहियषिषियजुवरपठाये
पंकजपदसुंदरलीमनोहरनषदुतिससि
हिलजाये ॥ केहारिकारिंगंभीरसनामिप्रीति
उहरेषछविछाये ॥ उरमेंसुंविकमालु
भुकतनकोउपमाकविनलजाये ॥ मानो
उडगनहेषिप्रमीरसचहिं ॥ सातेपाये
वाहसुभगयानपंकजउनिपहुचिसुछिम
मोहि ॥ चिवुकअधरआननदसननउ
नितलपसारस्मितमोहि ॥ चारुकपोलप्र
वनकुंडलछविजगमगातवहुमोले

राजनकपठावो ॥ नारिउकुवरराइइथार
पकेनुरनवोलिलेआवो ॥ रावनितनेउ
रराजनवासेनपइथारथकेठांइ ॥ वा
रिउकुवरमहाकोमलचरचलेकलेवा
वाई ॥ मुनिनपसघाम्रजेजजनरामेश्रा
मुरलीयडरलाई ॥ जाउसकलमिलिषा
नकलेवापठ.पउजनकवोलाई ॥ पितु
अजुसासनपाय.कपानि[illegible]लिमेचा
रिउभाई ॥ समवैरामकुमारछवीलेते
सवलेलेवाई ॥ कोउस्यंदनकोउराज
कोउनुरगानआपहाचरसुषपाला ॥ अ
नुजनसाहितलसतरघुनंदनकोटिम
दनमदघालो ॥ स्यंदनाहसहराजनअ
दभुतपरमविचित्रनकीने ॥ जगमगा
तनवजराउतजउरापनाहिनेकरपरत
नवीने ॥ जोउषश्राहिदुंडभीवाजनप
नवसरससहनाई ॥ आवतजानिरामक
हसखिआंगलीभुगंधमिवाई ॥ सवकेचढी
अटारिनेदेखेपकेरुसगाइभारा ॥ प्रेमेजे
वनिइभारसमकोभैदरसनआसअपार
भतिनवनपठइलकिसोरवपमानो

धौसंचाये चरन धोय चरनोदलौ को
श्रीतिश्रीहृदवैठाये बहुतभांतिजेवना
रचनाईकहैलगिकौरौंवषाना विविधप्र
कारभातश्रौदौविजनचनेमानाना
पाहतिनगमश्ररुउरदचनेकोवहुविधिक
चिरचनाई तेजपातधनिश्रौषतमिरचै
जेफरलौगेलगाई मेगहूचिरखसनकी
छानोचनरसुवेलनहारी तेउलामिही
कुवासमाहतवेरोंश्रौजतनविचारी
घीरपुरीपन्याकवदीवरउपरलाकूमराश्र
पूणहिकविजनचहुरोवरुभिषभोग
सेजोवा श्रमरनपवाहवरश्रीनचतुरवि
निहिवरसुघरसभीने वरमुगौहश्र
चितौरसाजौरिकवछफेनिझौने सु
ग्रछोनघनकूलघीचरीगोहिहचिरछप
ई तरकारीकहलीफलश्रीहकछुईयो।
श्रहचोराई मेहाकरेलाषेषमापरवरसे
खिचोसुभाततोई जोविजनातिसुघर
माश्रगोटतेसवजनकरसोई निवुकाग
दीश्रनितसचतुरहरवहुविधिश्रोरश्रे
न निरगटिकरीवगे पाईवेकौं
श्रापस

जेतुजुगमदनमुकरमंडलोछिगमकूल
गजुगलोहोले नामानेनमुभगोध
कुटेजगविकेटभालवरधोरी मोरमंजु
जगमनो. जोटनमनिलाषिसारहन
इयोरी पीतवसननमानलसरीरजगी
रहतोडनमुचोला गलीनहिंसनिवे
लोकोनिसकु[illegible]निलेनसाषिनजजुमो
ला लोगामद्दलमसननुगंधितेवर
विसोकरिगाना यहउल्लाहथ्यामइष्ट
छिकरेषाहवेठोविनालो पीहिविधिगाप
महीपन.पनमाछ्यागसनु इसवमाई
सठुर्होनिजथानउनावरप्रीतिनह
इयसमाई मनिमानिकमेपलेगमनो
[illegible]इस्त्रसतरनोविछाई वेठारेप्रतिप
तिप्राहरकामेसोत्रुषवरानिनजाई
[illegible]
[illegible]
[illegible]नः॥१॥ पेकतघी पेकनेती
पूछेकावेलंवजेवनाग लेहुवोलाप
वोलजोबनकहिं भेजननभेयातयाग
[illegible]ठजै मन[illegible]चिउहरावीवपिलकों
[illegible]नजाव म[illegible]

चौपून

षडेनोनाहोनेकुकनमंत्रैवारनेडजाई भ
षडीसानाक होतुलारीलोमपाइनदफ्नो

चौरान

यमा मा.वोभुवनजयामननमानदजौंद
इनवहारा कैसेरचनजुननंरभुवर
केवोलोनभुरीवानो मनवांछिनगोरि
श्रीवनलागोकोरिकठछनुसकानो
पहकवहनजुनारभुंनेरनपुलषणच
फ्रमेना जोवनासुजुवनासवगेनेनेजग
नथिहितेसंभ्रता जोवनाजुपं गमन
कस्मासोरभजुनिाहलोनानो परम
रवरनेहाजुजारितां लितासिरामीवजु
त्रेलनउनेदै २ श्रवरीपकोजुनामनोहर
केश्रीतिप्रियपजुभलोमाई बरवानरजुषक
केी ९हजुनिकेभुस[illegible]ननमि[illegible]र्च
भरतवइननननेहरी

त्रेइजुडभयतषाश्रुज
नजुनोअंजनपहत्वाकीनो पाइ थापल

जनुजगमरनमधुकरमंडलीठगमकूल
नमुगलीहैठोले नासानेनमभगोम
कुटिजगविकटभालवरषोरी मोरमंजु
जगमगी[illegible]जीठनमनिलोषिसारहम
इषोरी पीतवसनसामलनसरीजतुनी
रहतोठनमचोलो बोलीनहिसनिव
लाकोनसकुचनिलेनसषिनजनुनो
लो लोगमहलमसनमुगंधिनवर
षिनषीकरिगाना यहुतलाहष्यामइह
हिकरषाहचेठोमानो पीतिविधिगाय
मनीपमसनमाछागिसमहसवभाई
मगुहीवानजमानमुनावरधीतिनहृ
दयसमाई मनिमानिकमेपलेगमनो
[illegible]रहुथलनरनोविधाई वेठरेप्रीतिय
तिथाहरकोरसोमुषवरनिनजाई ॥१६॥
[illegible]किलैगरहलैमुपत्नैविलीनेपवे
[illegible]नैपलगापवेनै[illegible]नामसु
[illegible]॥१॥ पेक्तषीपेक्कनसो
पूछेकावेलवजेरनाग लेकुवोलाग
गोलजोवनकहंमेजनमेयानयाग
[illegible]मेमम[illegible]चवहराविवसिमं
[illegible]नाग[illegible]

८ श्रीराम ८

धरा गा.वेछुमनजपाननमानुदसैं
द्वनघहारा श्रेसेवचनछनतरंगुवर
केयालीमछुरीवानो मनवोछिनगोः
श्रीवनलागोकारिकनछुतकानो
पहकवहनछुनारछुनेरनपरखछुत्र
प्रसेन जोवनासजुवनाखगोनेनेजग
नावहितेसंस्त्रता जोवनाछुप गमन
कन्यासोरमछुनिहलोनानो परम
ज्ञारितं सितातरराधीय
खंयरीवकोछतानुनाहर
नोनाई घरानगमक
रूपननाम

गफरीफार ॥ करहरवंडहरखैंरामंहि
जेनस्रमसरसमोहाग ॥ समोहविरख
रोलखेरोदोवकुवंकमोतिवनाग ॥ पामरा
मेऽस्रोकेंयनासाषोगानिसिरीऽरा
डुंहरम्रोरस्रनेकमिठईकोगनिसकेप्र
मारा ॥ वुमेवामिश्रानाविजनेकोननान
कोजाने ॥ चतुरभोगजेहवतनजानकी
कोऽपमाकहैतने ॥ चंद्रकेमनरगमा
कनेमोनिईपरसननलाग ॥ मानो
मोविस्तारीमोनकेनगहन

रमनहोवियनोजनो

सुजौनाहोहितेतुम कलंकुवातरतेइ जाई भ
पनीसानाथहोतुमारीलोमपाइन्द पनी
रघुबीतुनलोषबरोनकाहतपजो
होमकोहिदेः भरततुमारिमातुकैकेई
जोगनिमातिबोराजी मातुपितासतेला
जभाइकेबुठबराहलोनानी केकेइ
सभीमेथराहपउजागोरमुनि २ इशा६
मजोनिकुनाहघोमहभिाइ नहोइजानदु
निः लषनतुलारीमातुसुमे वातनाः
तुहनमैगाजाए रघुपतिकीओरकुराः
कोउकीनिरगीभुनआएः मातुपितातोगे
रवरनेहेतुमेवहुनकेसकोरे लषनस
तुहनडहेम्रकोरतुककाफेनारे नृप
कअतिप्रियसुनःरकेकइकौसल्याउह
केरि रहहुनिकेमुसक्यानिकृपानिधि
भरतवहनतनहेरि

ओइजोहभयसवाछ्रत
जजनभजनभरतवामीनि पाइ आपमल
आवत

वीपकोवडुनकमरनोविभ्रएकस्रपनाई
गजोरहसनिकारविपनिकामोग
किहासवरिज्ञाई नवपितपिनस्यर
रघुनेहनघारेगनेलाहगे विनम्पा
हेउदालकपानिनेनासिषेनुगुनजो।
रो विस्तामि स्मनहास्तुनिरुनीयडेव
रमानईजागो रमैहपनपस्पामलोभ
रोविघस्रस्मभेगो गालेवस्ननजजा
निकोकन्यानुरलोछिनागपलोनो
तेहिसनरमेवुत्वउपगजेवहारफोरि
नोहिने हिवारासस्वरषेसउलोन
रेपपमभोगनेहिवोने नाछउछिध
स्रापरोकृनउनिननकेपिचारनलो
नै वेस्पाउत्ववासिष्टवहिनजगाने
नैपेराहिनकोनो वेडाविवेकोवछ
तुकोरामेलामचेलिपलोनो पितातु
२ कोछनास्रपनेवस्लगुरगुरपांतहिय
लोर नोहभाषस्रकानिवनारिवासस
ववलेजगावाप मानतुकारकेहे
कोनिलवरनचे ई मानो

वनीविचात्रुधातुपिअरहंसी चित्रे
णाकमलाविधरस्री चंद्रकलातुप्रतंसी
चंद्रानना मृगमदकाचीरा धराछमद
छमा वीणाजतीमा भुजंबालिनीतुमरा
सोभनाहेमा चारुस्मितासनेतासंतोषा
वरासोनामोहे चारलोचनाप्रहचा
येगीभुम्नामननमोहे कंशुगागलहंसे
गातुनेगातुबहरेबो चारलोला धननो
सथाएमाछगवैठींकरोवीयमिविपिनी
ला आस्मितालतसहवनवैठींकोगनि
सकेअपार रूपसीलसवीगुनअभ
रमनहुमनकोभार सवप्रतापीतुउ॰
रूपजयाविजयतुकेंउकुमो आतीव
कमोजुविधिरजुलनाहिहयाहरुपति
धनी प्रतापतिलोरुगनामनेनोहरचा
हचंद्रगजगामी सोभनतुतिलोत
रुगनामकआरजितहरहमनानी
लवलअवईसपारामकेवैठीनक८
उगसेवा ओरसहवनहवगन
[illegible] वये गा
गरवरानितवे [illegible] जपायबरं केनो

गावैठारिन्हि सखिश्यनबीराहिन्हे रह
सिमहन श्रीनिपरमसोहाहनजहोंपुल्व
नाहिजाई ॥ नवैठारेहंसतहितनहारे साहि
तसषासतु भाई ॥ ब्रजुजसोहिनपलग
नपरसेभितनबैठसयामवधेरी ॥ मानोन
भसमलचारिविधुतभागानचहुफेरी
तेहिचौकेरवैषुजवतोगनमनोशु
हिनोफुली ॥ चतुरचंवंरलषिप्रतिश्रल
हिनविगासितराविडुषभूली ॥ वसनका
सिरधुहुमोलमुगांहितभीनमनषत
नसोहै ॥ नषरागंहमहनासरतनमेजितछ
निभुजनमुनिमननमोहै ॥ ईश्वरुनभर
ऊमकुवेरसनहजोतपतिपारसाना ॥ तेहि
तेश्रविकयरुपेकजुयतीपहिरेभूषन
नाना ॥ यहसुनिकोउसंदेहकरैजोनिमूषा
वचनसुनिमोरा ॥ चतुरभागजहंवसत
जानकोतहांविभौव.यहथारु ॥ जगमगा
तभूषतमनिभीतनप्रतिविंवनचहुंओ
र ॥ महनबीनतनिर्मलजलनिधिजनु
कलनिनाहनयारा ॥ लषिश्ज्जलनिकौं
कौनल [illegible]

वातें ग्राम कहुं जहं कलं न लखन अहा
री कोपल नाहिकु री लव न लाप कप
ल लहि न कु मारी ॥ तेपा न पृथ न्पत
रघुनंदन विंकुपराजइ लरी ॥ तेहि
तेउ नाम नोहर मराति कहौं जथार
थ वानी ॥ ये कुंडे जहं मन लोग वाते
जो राउ रघुषमानी ॥ जौ नित्याप्रय
मनु लव ग्रजन क जो गये धेई ॥ त
छिनी नि विजा देउ रवमा कुरू नेजसु
मिचा सरे ॥ मव सह मान मरा हिउठी
सषिमन लोपींनि ये ठोप ॥ कारहे अव
मिवनुर रघुनंदन जमन तो षास
षेप ॥ मनन्रम क्रानि वचन उनिर
घुवर रघुवर हिमानव्यापी ॥ वडमा
गहस नैगन आगरवो ल्यो सषा प्रती
पी ॥ उतन गलो चानि पिकवर वैनी
तो मनन हमहंसी महाना ॥ जो जुमरे उर
अमर जो जनतो हमन तव कहि कत्याना
हमहुमरी सम वैगजगामि निई इन
कौसनभांती ॥ निउनुमनि चयेरहे
बेयकछनिनगा [illegible] चापेन [illegible] जैनो

षिगानसमाजसहमनपिरकोरिऔर
लोके जनपरगतिप्रतिमगनहोत
मनरहतमोहनाहिंरोके
[illegible]

नवसोषहसविनोदसमैलोषोक
शोकधूपुपचासा चारहस्मितासषोडुठ
बोलीवचनसमैप्रतुसारा हुईहोस
कुषकुक्षुकहसकरिगवननीतिजंतु
मानी धुनकुलालनजगमनमोह
नतुमसववाषिवियडमानी जिपक्षरउ
षतुषत्रिपैपैजाननतऔरनजानन
हारा मोहिनेप्रापुसनकहतश्रगटको
रिजथालोकव्यवहारा पुनपितुमातु
गंधुणातिगहतुषऔरसकलसुषका
री पतितुपात्रियसवैपीरमाननजो
ममचेतविहारी गपरद्रुमप्रतनन
केकेई पहप्रसमंजसमानी तेहिते
रहेतोषवसमेननरगटकहैकेकिमीं
तो पुनितलारभमीनीरभुने
कु [illegible] कनामी [illegible] गोते

...श्रीरामरहस्य सखा लक्षी संवादे
नाम पंचदशो विश्रामः ॥ ॥ कपटनो
भेष धरे मां हंसि बोली तैउ कर जोरी ॥
तुलरे संघ हम चलन राम नषे सबकुष
चिंगान सम तोरी ॥ बोले वैउ हं सुगुन सा
गर राम सषा करि होता ॥ तुलह वैउ कुल
च्छनि तुं हरि करौ उचि नहिं भोता ॥ श्रीत
नि लै जेन नमन समा वृच्छे पन भ्रमंग
लेवषा ॥ श्रुत वात सन न सजे गत को रणा
हि कल नबरेषा ॥ श्रुत सु वानी के गोहे उर स
ष भ्रात हरिइ जीवानो ॥ तउ परि सर
पनी हंसि बोली उ नामं द उ सकानो ॥
हम तुल रे संघ वलै राम नषे जो तुम ले
उ लेवाई ॥ हम तो नागय स कलउ न आ
गोरकारहे तोमन न माई ॥ तउ परि राम स
षा हंसि बोली पक कछ हनुमान ही ॥ स
लियान्तल विन्ह तुलरे सुषग्रगट देष
यन मारी ॥ श्री तो ना रिषी नहिं न पति को
कोन सो सुष में रकाई ॥ कहो और कछु
कैसे और कछु बात न पार न पाई ॥ और

मनीके रहु
अजौ अवै सकल जन कपुराधीन रहै
गति बनाई ।। करै जाय न पलो गतु लारे
तु मुरी आस विहाई ।। हे रे राम सन कपु
तु जे सपा तु न हंसी नारि नर भारी ।। च
लो हास उपहास चहै हित पर मन कुल्ला
हल नारी ।। मनहु मेघ गज पिंजना
जोई जम नेश रात्र पगगारी ।। चारहिम
नासपी अस बोली फिरि यकु हृदय
विचारी ।। चलि नतु लो ईसा पर मन स
पीठ पीकुं च फल निहारी ।। जो अति
चपल तो लोलुप है होन है कोन सु
ष नारी ।। न कोतर्क पर उठ न हो मरस
अति विचित्र अवहु जाई ।। प्रगट जय
भेंन्ह प्रभु तन घन छन छन गंधिपरा
ई ।। त ऊपर राम सषा फिरि बोल्यो
न्यवल सषा तुम कोने ।। जो तिके को
कम तुम ईक विरह मन वल्लभ न पहि
चाने ।। गिमि चारि नीप अबली चिंतै
तु मरी रना ईपी ।। ते हते म हान वृार
तु है रानु लै न लोग पैपी ।।

१२ नावतवीगहिहोइषोचिकनिहारी
कोतुकैनृपाकैमृगलोचनिछइरोग
कोलेई ॥ वालहारीवैठीपिरकैकेजनन्ध
पुनारीविषमेई ॥ सुरतरचिपकसुमन
अभिलाषनेहिवइमानिनकेरी ॥ हिन
करधृतअपचारसतुमिजपङपेरहो
हमिहैरी ॥ रघुवरहैसेकनालईसुपंथ
तुजसनोषाइबपनाव ॥ नहमेरघुतिहसे
कपटोनपकैसुकुसुनेननराषे ॥ ना
रनारीकेकुकैहैपरतपरदेसोषकहो
नअंई ॥ सकलकुलकुनहृपसंग
कीरकरनचलीमननभाई ॥ निजमिम
नारिवृंकीनिरइनवहुभांतिकराई
जनिहैंरामनगरतकपैसेइनदेउय
रगाई ॥ कोउकहैंमाहिइषसमेअोई
अवलोगाइहैपयारो ॥ इमैकनेनारव
रघुसमभूजेआहरमारी ॥ कोउव
ऊंनकेकनआगरसकलसुगलह
प ॥ रामसषाअनिचतुरकोतुकोहा
नारेपतरुप ॥ जपाषसमहोइजो

गाहिने रह
शकल्पप्रलछनतौलक्षिकौतुकवधुकुमा
रे ॥ नौरैपिननेरघतिगाभिनिलछन
कहतभगरे ॥ सुनिसकुचीसुसजापनी
शत्रिरछनकमैनप्रततौन्हे ॥ जबाप
अतिवर्षसिवरयोपारतहपिनउमहरी
है ॥ नइपारसवीडंह्रख्रिपवोलौरामस
षहिमरहेती ॥ चलेसंगनुषकसलीविलो
कवछविमकरंरूपग्रामौ ॥ कहेमवो
सुनिभगुविमशणीतौलछनहिमजा
ने ॥ चौन्हिउठरपनकेननाववेनोहि
किमिलेतमशणेन ॥ नंतासधीचिपाते
वेलीमैचलिहैंतौमाण ॥ मैसोभाग्य
भुलैलसुलछनरांषेउमनहाया
रामसपाकहउछबिबनहैनौसकलौरि
षिमयेमोरे ॥ पतिसनकपटोहहितजे
भागउलिया जुगलकरनौरे ॥ कौशल
प्रभुचलेपतीकोसंगमहाकुलछ
नजानी ॥ तवसखिसियाऐहोनौवालौ
होयज्जोरिमदुवानी ॥ रामसवेसचले
उहैजुहसैनरितुनारी ॥ सुनिरघु

...नमिसबसों गु...
हाई को कुसलनगन बड़...
को कुसल हजो मिलि जाई तुम चंतो
न पन न मंद मरै नगुपति गर्व छ्राः
न बनासि त्रिको जन रघुन...
लपहि राई हम जानो...
14 नेरनने ईलोभमन न भाई मबाहल
रस ढ़ोने रघमेसेतु बंधरीनन जा
ई ने डूपरिति त्रि बकुरि बालोरे...
कुबरबूरयाना तुमलंघबेमनन...
नकरना तुमन रकेतुषराना कुव
जाबको हि मिषि ल्याई तल हिनसव
कोई ग्राह मार यक चाह धुयेरयरको
रैजो ग्राषतहोई नवहोसरामनकी
विकरजोरते मंक्र प्रवसयजगुजीना
अजनचढ़ाय प्रयषरनचलोहमनम
रेग्राभीना उनमरुगढबचेनग
घरकेभरिपिमनमनमानो ऐकन्दरहै

...कुंजनमे नागरिभूषनालकुला
...नरीकिनी नागगंधर्वकुमा
...सोहाइ तानतुलतठविठरमिपक
...गौरहीनै नायक आनितर
...विरराणनवधिम्हलीनै कम
लग्मनितिरणामसावेह नवरालिपेक
रठाठ ग्रर ...तःशतिहरकोचनी
लीयेप्रश्रातिराठी ... नगतपर
...तेहरिलियेगतिसीषधितो ध
गरकपरगतुरीलेपनकमलतापरमपा।
वित्रा मनिनपूरवतुसञ्ञसोहाइन।
वंहकलाकरधारे याहविषविक्रपरत
धाकरधारोषिविषदतुविनारो त्रये
आहिसवपूजननलीनै गंधप्रनेक्रत
गाई धूपदीपआरतीउतारी ओषनाल
...राई सिद्धरामकोलषनकोनी
भरतनैसतीसोहाई परातमेहनअप

[illegible]

गमविधुमुषलीविश्वनतननीपमतश्रघा
मैं पाहिथलमोहिपसनरुमिकपश्चैनहिते
हितेलिष्यैनगाथा गहसकुमिकनोषिषे
नमगननमस्कनलक सौरभुनाथा जिन
केहृदैसुकुमानिनिमैलपरमगुष्पजग
जेई हरिप्यारेजेपरमउपासकसकमिक
लैहेउरतेई

तदुपरि

सिद्धिकंपैजुगीतिनसन्तीताकोलै
आता गैनहृपालभगनुदषगणप्रकासे
यहश्वानिहुवागे पैगकेडुठगइठौंसनि
वैसकसीताकोलैआई आसपासघेरे
विउषहनैजगडंगाचालिआई हैषिल
मनस्वकुभरतनकुभेहनडनारिषगायिता
तिनकीन्हा सकुभिकहेतुहैधरनकोहि
तामननमोआमिषरीन्हा तेहिप्रकारप
रिनामितनकमनवश्वगुचरनतहसिरना
पेज्ञनथकुन्ना धामनकेहिषेम

तौजितिप्रविकानपतिहिपा पतिसंगरेस
बिहंसकुहेसकुइषतुघभागोनिनाऐ हे
सहैनकहैभतुखवंबिनपतिधनथमेवि
चारी पतितुपानसवभौतिनारितेसवतु
पासन[illegible]मूला अ्रसबिचारिसरधरसहृत
निधिरहिबनारअ्रनकूला अ्रसकाहिअ्र
तुभीजवतीगनोसछसनेहविसेषी उभि
उठासम तुषधैठीरोअहिभाषानिजसेषी
[illegible]
[illegible] ॥ विश्राम ॥ ७ ॥ जगतमातु
पितुरामजानकीकहुंननातुसिगार के
हैंपरस्परगुभोनितसबजानेहैंजानननहार
तिपानैनजुगपत्छेनरगनरामबंइसुषदे
बी ललाकिलागनिजानदिपाईजतुपल
केननतिनेनिबलोपरमलोजनोनाकी
नाकभेरउठनसकुचवसहिजमाहिनिनरै
गंभीरा नवैतिछबैगरवैकरगहिहियो
पावरबीरा अ्रपरसपरसपानसुषनहिन

हेसा ॥ हरिविग्रमोलवेतरिकोमोतीलक्ष
नेग्रघरपरलोले ॥ वलिगुरुमनकुनये
करेहिंभूललतगुमगाहिजेल ॥ कंठोतिए
हरिचषचितवज्ञमानिडुनीइंदुसमजा
नो ॥ मेटेडकटलाएनजुप्रतिहिननाम
स्मजुजकमानी ॥ डरनगमुजनगथ
रंधुगुलिनगमानिगनकविरसंगेरे ॥
जनुडपमासंगारहविरनोपेकयेक
विटोरे ॥ कंठीवलपाइंकजलसंमि
तमगुरमनेरवाजै ॥ मनकुथालन
गलगुकुजितनगमगस्त केवोजै ॥
लहगालेलितडकूलगुरंगमजितण
उतरीमोहि ॥ जोगरननगुनिमेनथ
[illegible]कस्म[illegible]मातिमाहि ॥ लेजु।
तिमगोहा ॥ समगेमिरगु[illegible]
तामननमोस्मानिषरीहा ॥ तेहिग्रमारप
रिनोमततमषामतकृष्णजुचरनकुमिरता
ये जनमगुना[illegible]नमाम नेहिपेकैम

जोसो ॥ लोकलाजमरजादनिगमकुलनोत
नोफिरि इगानकुटायो ॥ सुषसंजत्रवबहुरटह
ज पआवनतेमनेजोवलिधायो ॥ श्रीतिलाल
सोउकृनवरतउनेनतुतिनतेपटिय
एहो ॥ उनिनतउकृतखंबस्रतमेनव
मतिनउनिसदनछुटायो ॥ पाहियिषिला
जलोलसार्रनैनिजलिजादानिपेया
ऐ ॥ गहैविनेतउश्रुनननश्रुननतउनेवि
नेत्वणीनिउराथे ॥ विजनपरनगमप्र
मुषठाप्योनिदरतीनामुषपायो ॥ जपाश्रुं
तीभनकेघरगननमननजगतापमिटायो
धुंधुटनपकरानिक्षितउंग्रंजननेनदेत
हैंसोई ॥ वहमनवकोहेमननमानोनाहिन
हैंवैकोई ॥ नवरुउंधीरस्त्रहस्येहेषिमुषउर
विधायुषपायो ॥ मनकोगतिमननहीमन
उफितमवसवभोतिडरायो ॥ नेइपारसि
क्षिजगलवीराकरहियोरामसोनाको ॥ कुह
नपरस्परपानवगायोपरमलाजभीनाको
नौकरउठनसगुधवसरोजमाहिचितवें
गंभीरा ॥ नवेसिंकघोनरकेकरगाहिहियो
परस्परवीरा ॥ अपरमपरमपानउषनहिन

जुगछनछनआतुरधावैं ॥ नहिंकमल
सेयातेहरिजनुआनिनिरासफिरआवैं
नदुपरिरहिजानिउरईसिनकहौंसिपै
रहुजानौ ॥ ननहमकुचनजिप्रानना
पसुषअपरलोकहुकुषमानौ ॥ नहिंपोल
नसुषपरमसकोचनितपापरमसुषण
पै ॥ निजसुषहितऔरैंगरहेनसुषजहांको
षसजगजापे ॥ नवेसकिनिजकरधय
सहिहिलोवहनउधारौ ॥ निकस्योजनुय
नअहनपरलनेतातिपुरननभयो
गुणनामनिमानजथितकेसवरजनुउ
उगनसासिपासा ॥ धहनचंहकेप्रगटहो
नहिकैरयोभोनप्रकासा ॥ सकुविसोष
सिपरामवहननजिमहिअवलोकन।
लागी ॥ वहनविपोगअसहुषअतिन
रज्वालनहैहैयिरहागी ॥ जोगवियोग।
जनितसुषदुषजीवेषाआतुरमैथै
कमठजथाअंगनिजपसेरषहजनेतु
रतनमैथै ॥ नवरछुवरजानुकीवहन
लोषिकैअतलितसुषपायो ॥ जिनिजो।
मीनुकृपालजननतेपरमतनसुषपा

ऐराजकुअरवरसुंदरकरतिमेषिअवपाऊ
मालवरीहिनफाअनुलिनमैहिनोहिनुमा
लेनफाऊ ॥ जौनहैसाउमालवरीहीनहैन
मानलिपाई ॥ निजअवरगायेहोऽवौकेत
कअवनममुभवरसुराई ॥ ऐसोमालवरोन
जरसुनेहिनविनाहि ऽजोननपैहौ ॥ रष
वैंकितुलैनमाजनुनफिरिहैषवकोहि
लैहौ ॥ कसुवाऽस्नेहैंमननमानातवरुष
नधरजैहौ ॥ निजनगनीकायेलहिहुगे
कानवछत्नपैहौ ॥ नवहोंमिरामकहौम
रहजतुमतेनाहियाहरकोई ॥ मातुनफा
हमसवमिलिहोजेरकरैजोआपसुतो
ई ॥ तुमकाकसुनअवेदपसुलोचनितु
ममनअनिपरिआरी ॥ चहौतोमागिलेऽ
मननेमोहनिहमनुलारिपऽकारी ॥ श्रीत
प्रसन्नमनजानिमनकीबोलीहैकर
जोरी ॥ तौपस्वमलकुअरवरसुंदरसग
वसेमतिमोरी ॥ ऽयहबोलनिऽयहहंसनि
विलोकनिऽयहमरपऽयहसोभो ॥ ऽयहम
नाइऽयहसीलनिरंतरमनउरयलोअ

धोसको चवसभारी ॥ नवसोषहंसी हसोश
तिनको पानछेलितुअसी ॥ नवरसुवरव
रकमस्तकलोचनानिसंदुरउभगसो हाश
सोनासोसलबलाटहे समाविषिजनहंसि
लगजोश ॥ उनिसोनामरथरत्रैगीराभर
नाहिकनेहेजोश ॥ कारप्रणामतिनलीन
उहितमननसषिनउमंगलगाश्री ॥ गीर
पापपरमजननीकरउप्रीतिहिमोषउरथा
पे ॥ अरुनपाजिमिरनाहिकउनसंमल
हेउलतपो ॥ ऽमगोऽरउप्रभुरागपठउषह
सधमेंउलनसानो ॥ धोरघुगीस्थपछलतेव
नाहिनहछप्रसाइकारमानो ॥ पीहियषिह
स्वायेनोइनमेवहुलुषनिथानउषभारी
किनिकाहिसकनमंइमानिपरवतेजहाथ
किनश्रुतिचारी ॥ इतिश्रीरामकलेवाप्र
... पदेनरामकृतेश्रीनारामगळ
लिउषवरतानोनामस्तयोविश्रा:
१०॥ तडपारासिछउलोचनउहरिविह
सिरामसनगेली ॥ महउकतठकारिक
रमघमहरमारउषवरपरमठेली ॥ उनि

कछुक काज आपन देखी ॥ राम प्रनाम जुगल कर की
न्हि भाव्य लीष कहो ति क्रिम हु पानी ॥ क
हें जथार यनी जिनि लोचनि तुम सन सं
जिम स्वानी ॥ जद्यपि मैं अनु चितन
भामिनि देह मरी सगनारी ॥ पेहु मेरे अनु
ज न काया ही एह अनु उचित विचारी ॥
तउ परि तासु कहैउ नि रघुवर मोरिघ
वनत सुषकारी ॥ इहां ताहि कोनात नाहि
पेउ रहें अनुज जो प्रियनारी ॥ तब रघुवीर क
होत्हें माननि सुत निवेक अनुवच ॥ ज
न सन्यानि नानाति पञ्च रषा मान नीपत
रषच्चा ॥ राम वचन सुनि सोक्र रहीउप
मे सब अनुज सुषारी ॥ उड अनुप मे जन सवा
इप नेन वडी अनुल्प बिघिदारी ॥ इति श्रीर
[illegible] ०२०७॥१३३॥ तउ परि सम छिरा
म सुष आस न मन नाहि हि ककहु हीन्हा
उन्नेलो हि सब जस बोलि सुण कीति ने सन
स्यापसु हिन्हा ॥ तुलसी सबै यरा जकु वरवे
र न जय जीति न हि चि कारी ॥ ते हि सुषा व नाषे
र सुवइ न का लगन मे ठ सिंविषारी ॥ से

सोभा ॥ ससकहिपरीचरनरघुवरलेपु
लकगातनहगजारी ॥ पेमभतुकोहिउनिक
हरउवरउवकहुउठकुंरनारी ॥ रोषितमा
जनतिरसकूउेयनाथन्यसवजाहैं ॥ अ
होसिद्धिभयोसिद्धिमनोरथसकलौसिद्धि
मुषचाहैं ॥ उठीसिद्धिमनसमाधानकरि
रघुवरवदननिहारी ॥ जथासरदससिल
षिपरिपूरनमुषीचकोरकुमारी ॥ नइपीर
सिद्धिवहुरिकरजोरेउनकुअवधपुषद
ई ॥ विनतीयेककरतसकुचतहौंकरौं ।
जोतुलेतोहाई ॥ प्रुतिकौरैतिउरामिलाभो
उवोईतुलरोसयसारी ॥ यहनोईसनमेंट
करनकौतिनैलालसाभारी ॥ वनतहोइ
तोआपुकहीजेभिनहवेलिपठाउ ॥ नातरु
आपुकहावतिवहुविधिकाहितिनकास
मुनराऊ ॥ सिद्धियचनजानपरमसोहा ।
वनसकलसषाहरषाने ॥ भरतादिकस
कुपनुजरामेकेअतिसकोचअकुलाने
गिनअम्रपाउठजातयनेनाहरहवुनव
नैविसेषी ॥ वनअवनयेलागसाहिपीतर

सकुचाई। तेहिछननारदकसाजसकल
सखिसजिबजिके चलिआई। सनिनृप
नखुंगारवसननसाजिबिरजोयिचत्रि
सेषी। रतितेहिसमीपन्हिजाआहिकके
हितिनपटतरलेषी। तेसबपटभूतरीज
टिनमनिमनुविधिविधिविषवनाई। सी
तारामविहारहेतजेनुवनुतनभेइवका
ई। चंद्रमुषीमृगसावकलोचनखंजन
मारसमुलोला। कचमेचककुंचुरारोअ
लकैहिंसननलेनजनुमोला। सुकनासि
काराजीवंवाधरसुचिकपोलकलतवानी
पीनस्तनकरकमलसुकोनकटितटिफनप
गतिहमानी। स्थूलनितंबउरथकहलोर
गपदपंकजअरुनारे। सकलअंगसो
भासमुलसुनकीउपमाकविहारे
जासुवदनलखिरामाहिकसबलोचनट
रतनटारे। मनहुभ्रमरयहुसुधितमु
हितलषिपरेकमलवनभोरे। स्वरसम
नवाहिमनमनोहरषेचसकलसमको
ने। जीनाहिकटकोरनलागीं याघनहै
गनहीनहे। सियारामपरपउमनासि

हितेसबुभमलिसकजानिरघुकुसमयजन
प्रगटकुप्राज ॥ मोहिंचषिरीम्प्रोहिगज
कुंवरवरसानुजनमोहितेसमाज ॥ ७ ॥ निश्च
तुसानतनसकलसघीनवरोमरोमहुल्ला
सानी ॥ लखींसजननमयमाजनाहुयीत
गरषिपरमसयानी ॥ नयेसिद्धिमगोमे
सिहातनस्रापधमोनेहिठंऊं ॥ निजह
निकोटिमोतुद्दीनिजिहृकेधर्केउपमाप्रह
लौऊं ॥ परमसरुलघुकुमोलतुगंघिनने
हंभुलतरनपिछाये ॥ इंपहुहंसिरघुवीरयो
हुगहिनहंसाहरवैठाये ॥ ७ ॥ निभारश्रृंक
जानधीकोलेगामणासपिनकीन्हो ॥ य
हनवल्कुललपासुसोचनिसयतिंग
रहुनिभीन्ही ॥ जनुहमिानीसाहिनसामिउ
उगनतीलमेघाठिगमोहि ॥ काउपमाको
उकहेकोनाविषिलषिमारहमनिमोहि ॥
लषनदहिनहिसियनगमरालिप्रया
मयिजननीरुउहंनी ॥ प्रानपत्रलिसर्वि
हिसायिनसुमगमोउधीकैना ॥ सबसलम
पाजिजानजहिसिरुस्थितसुप्रसुचर

उथेत नतरुग नरभेपेसकेलगलतानो॥
रानिखेमानथखेगारहलेपरबिला
नेनरमचारसोगिलानेः॥३४॥ रंभोई
कंध्रपसराहेषिमुनियडीलाजउरमानी॥
हमकुरगनीहैषिभ्राकुतगनभईग्रीस
ऊध्रुयानी॥ यहुरीविचारेउ नवरंभाउर
नवंभालउरआई॥ पेम्राकृतनोहिमुनेम
पानीमेंसवकहौंउन्माई॥ देवनागगंध
वेंयभूटेवरीचानवजैनी॥ सिद्धसव
लगागनीसिद्धकीभईसधोसवतेनौं॥
श्रतिसुंदरतेनागकन्याकातेजराशु
रजोग॥ श्रतिसुसीलचातुरजेजातिये
रुदैवासविकाग॥ श्रतिमनुजैहेमी
सौनालछरागनाजाना॥ त्रनगानेया
हिबप्रवीनागांधर्वीतोमानी॥ निर्तसभी
जेमगुनआगरकाहिनसकैगुनचा
री॥ यह संघद्दविनोदरागनिपुनहोवि
वेनोभारी॥ पहिविधिहहैमनुभिरं
भाहिमेतोषमानिभ्ररगानी॥ भईतंत्रम
चपलासीचमकैंगानमनोहरवानी॥

सिछिसुआगलीनौ ॥ परमसुरगंध
वेअलोपेसकलसभोगसकीनौ ॥ उछोन
हासरसमधुरमनोहरजंतुअभामगाछा
ई ॥ लगींनचनानितेंबीनबीनाअगनि
नभाउवनाई ॥ त्रिभाविकरछूचतुराधि
पिअभिनेद्रियधमेरसुषणनो ॥ अंगि
कअोमदन्दनमोहावनेनिरतेंन्दनस
यानो ॥ हंसीनगीमैनगीतुरषंजरीटग
जलीला ॥ सुभगमानगेंऔरतरंगिनि
नचैसनगतिसीला ॥ लोयोहंसमसुरत
रागजतीतरकुछुरमीनो ॥ अवहेतुगति
सुगमलोनीनाचहिंनदपअगीनो ॥ नी
लिगमसवरसमसुछेनो पेकभिंसयकुला
लो [illegible]
वहिंनिहाला ॥ नयनश्रवनमनसभिट
सकलजंतुवंधेरागभेडोरे ॥ विचलिछेम
रहेस्वेकटकनाहपरमसुषवोरे ॥ उपरम
हलमहेगातजोजेहभेयसकलसुषको
रो ॥ धोमनहठकरिकहैंपरमपरनाहसु
षहवरजोरा ॥ नाहअलसवकहेंजुजनज
[illegible]नमनहिममानो ॥ जोहिपरमतज

रोहि प्रेम अप्रसन नेहो पन्नपहुचरही ने
उ पेव मनु जन हित बर तुनेइन सकल
सखी परतोषी तु नरोसंगम मनु जीव है ह
रूव प्रीति परसपरचोषी जो मै च हतते
तुम नहै नागा पहुंक हुई तनषेरु मोर
तुलरी विहार पेकर ससहंयर निहैं ये
हि भक्ति नाथनान मैहु बपाचन मोहि बि
न भगत हुपारी पहुंसिंप्रांत परस्परसं
नत गायत अनुतिचारी शुनि संवा
इराम संविषपन जो भोसव हुषी सनाजा
विमरे है हगो हसु नसं पति गई जो निके
ललाजा पक्रेटम्हरहैं मिहारराम सु
घाजि मिस निसि श्राभत चकोरी गरुडह
केठरी मो चन्द्रमहुहगभ है प्रेमर सगोरी
प्रभु मोनु कौराम कृपा निधि पर स्वमु
हैहि विचारा समेसु नहर तथा न गई
उठ बचो श्रोरही धारा निज मन पाकर
सेन तजि कहु भई पुत्र मानता फि
रि पहिलास विलास वस्पतु रही रु ने
हा की जाना नइ परि निछ सिषाज
नहि बिरसम सहु बबस जानी नुरत

हाव भाव भ्रू भंग निरतनि हग अंग अंग
विविधि कला छैं ॥ पैठनि उठनि सी अंग
नि पिरकनि छुनछुन नूपुर गति का छैं
थ्रमनि भ्रमनि ऊर्ध्व स्वास लोकनि पद मु
ष मृदु शब्द भाषा ॥ लिकुरनि परसनि सु
रनि उलटनि मिरोकनि पटकनि ग्रा
स ॥ लोलने नूपुर मीलनि मिलनि कर
पहनि चुटकी ॥ कहें लों कहौं नूपुर
धुननि भ्रमनि होतन मनि मोरी ॥ स्वर परमे
ल प्रीतम जाननि की भांति श्रमो दुरपाये
॥ लिकुटनि परस भौ जुगल सखन मु
खिन धर गाये ॥ यस्मा गोय जल वमिलिग
नखानि प्रसेन मोहि जानी ॥ नहि तुम को
श्रेय कछु पहि छन जानि मोहि सब बा
नी ॥ तखी सो मगमिलि करजोरे उनकु
राम रघुराया ॥ पहि विपिन हम बिहार आ
ममंग कारय करि पय पहदाया ॥ आपन
मकी नै वित प्रती करै सत्यइमि रामा
तुमहार मन न मोहि तुम हमनाउ अक्षी
सुख धामा ॥ उचित न उचित मान अपना
...याग जानि की हेउ मलकांत

गसवनमिलिनकोनवकारिमाथा
जौभयतुषसरवचनरामकीजामम
घातनुधारी जनुअपछेनुनिमनजु
यतीगनलिपेसवथसूसगमारी नवुस
व[illegible]घोगीलगीलानेंई वडेसुआरकी
जो मैराबैंदेपरसरारहिलिमिलिसबास
धीरसभीनेहो रातविलासप्रीतिपरीम
निजसमवेप्रकोरतुषभ.पज जनपवं
नकिमिकहैंमंइनीतिजहेंमोनभुति.
लपज [illegible]
[illegible]

भुतिधीरतिउमिलानौंउवीसीलरुपउ
जिधारी जयतैसुनेमिलिछुपरतुवर
तिनैलालमामारी समुझिसावतीवि
रहेआपनोनयतैमछुनसेगाई जन
वसलताउरआनिप्ररनछनननोहिपरत
नाई कोनजननकारि यहध्येनपास
[illegible]मिमनपियतिपावै कौन[illegible]
नो[illegible]

सोंकनतउनिपीतवानी मगनभईश्रीत
प्रेमनैमलाषिअग्रयलजुबैनिजमानो जो
कोजमसंस्कारपूर्वजउप्रगटैश्रोसरण
ई जिमितुंबकजेउइबिलोल्कोचेष्टा
रविहथाई सैबीसांबीसाकिलउचओउ
रमिसाहिसवलेषी हारप्रभुपत्नीतनको
प्रिपत्नागनपहनातपजोविसेषी नवस
वसषिनसवास्वघरेविनकहैजानन
देहैं सबकीहुनितुमसोंकहउंओउबहति
कपोलहैंमिलेहैं श्रीतुकनाबापल्यहस्थ
नातुलरीसकलभुलेहैं करिहैंप्राउज
पामननमानीतयं:सप्रसंषीमहैं जोजे
करनकरोसोस्याउरतथजुउइगीधाती
उलैंहगापाहराइनिकारवहेषिहैसा
कलवरोसी येकयेककरकैटसबागाहि
चारिपांचषटसात भयेकोलाहलपर
ममाइनैसमुझिपरैनाहिवाता हैसैराम
...कनेनअरहैंमैं:वकरप्रेउची
... मैंबोलि

नैनपैरा॥तबहितिन्हसबकोअरगावतिन
नैइनकरहुधमैरा॥तुमपरननेहइंडरमास
नोतियनेहूनापियारा॥रामहकंठुचरगुचा
लोगोकछुनकहतवनिआवै॥नोहिसनेह
वसव्याकुलरघुवरछबिनमननपीतेहिनप
वै॥तबधरिधीरकृपानिधिरघुवरकहेउव
नमृदुबानी॥सुनुसखिवचननेजोसरहुजेभा
षेतेहिसमकोमानी॥कोटिबानकोवानतपे
कहेअववाहिपरकाकहिये॥पहचिस्वास
मानिउरहहुअबसबगहुषीसबकहिये॥प
हुपुनिजानिसंदेहकरैकोउसियनेहूनोकि
निधीती॥रामकोरामसरानने हूनोप्रियरघु
बरयहरीती॥सवअदकहिनिजआतमजानकी
गेतिनपरकृतछोहू॥सीतापरयेकराम
प्रेमकृतअसससभ्रमवचनमोह॥पहिप्रका
रकीरवेधकृपानिधिवहुविधिप्रेमवढाई॥
सोभाधामपुनिहिंतकारिकैभयेपूर्ववतन्या
ई॥इतिश्रीरामकलेवारहस्येपरमयुगल
मलालिकाश्रवणेषोडशोविश्रामः॥१६॥
सषनकहिजवरसवरगाथासकलनारि
सुषपूरी॥तदपिरीतिअवसवनललिवेलोप
लेवचनमनिहरी॥सपकरसंमततपहणजगा

ग्रामसोहाई॥ हमरे हेत ग्रायसु न बिनती ब
हुतकीन न भे जाई॥ कैसो भांति काहि सिक
रजो रिस तुम मोरे कुछु काह॥ सो छोनि
केपुरि हम बड लोग डाहेहु आति घरा॥ श्र
बतुम लोषडु रनेन तुजनेजणाउते इस
सिजोती॥ नातर यह हि मिथिला परम धे
हमोहि अभागिनि होती॥ अन कहि तुगल
नैन जल छाये रहि छुनकु धरि मोना॥
जथा सुबेलि सकोमल प्रभु लिन जतु मिके
म कोरी पे ना॥ तेहि उपर भुति कोरति बो
ली सुनहु सुहृद वहनोई॥ जो तुम हम को
तनकोव मारी हमें वहतेउ षहोई॥ हमतो
मातु सियाको जाने पितात मेसव भांती
तुम पालक पोषक तुम रह्व कहु मरवेल
सुषमानी॥ याहि ग षिक हत के ठमे सोगर
गइ भरे बिलोचन नगारी॥ सो सन नपामो
न सो कैराहि रघुवरचरननिहारी॥ देषि
समाज सकल जुवती गन नैन नीर छर
काये॥ सब कुसल कैं भि नवचन मोहकर
छनमन न थि तिहि निगाये॥ सिय आंसनु
फता सहटे हिं है आइ भये चीरा॥ लेछने
[illegible] नकैपुर [illegible] मोहकर [illegible]

सनप्रभीडु कथारे ॥ येक येक प्रति अैरे
बनाओ जनक्षुभिन विस्तारे ॥ येक हग क
जोलप कपगजावक प्रकानटंक ग्रीति चा
री ॥ येकहस्त चुरीका कुंकन करी सुभ
हि कनारी ॥ कोउ अैरविधि अैरे भाउ वि
विध कुंवपवनीप्रे ॥ श्रीस्वमाल नमरीक
हुचोपडम मारतपोहराये ॥ पगान भुरफ
टि व्हत घंटिका मनोधप मगनसोहै ॥
सिरविहीन जनु चले संजोकोइ जनके भ
वन गिरि गोहै ॥ तबहीन कोले चलेउ धुं
धी राम अस्नन समकुचावे ॥ सपाभुजजन
हसै राम जो हसधी नगोउ बपरे ॥ तेह हा
की पूरे पगनन तर नबसन बकजोरै ॥ न
हि धाउ कौ विधु भांतिननते भनवकुं भांनि
होरै ॥ तब लै गइ समाज नभै राजकुं
वर आगे ॥ तबसमाज उर आनहुं सन को
जयाउ सोबत जागे ॥ हसै राम सब
भजुजन तहंसो नारिगन भरी ॥ ते अ
नित जिन मा पम होगा न जयामाडु च
वरी ॥ अलनाभिवक होउ मातनु
लैलैन स्वावे ॥ जाहसंग वकौकन हौला
गे श्रं करसग नवठावे ॥ धरि धरि तिनके न

मीनिसापनापिनजेआपे ॥ तिनकरखकोप
धिकरनोवंडवनसहवलासमनभाये ॥ ते
वतसकायसिधिकहतेहिसनजेसवतर
ले गाई ॥ तिनसनकहनोपितगनघेरघे
रिकरैसकलमनभाई ॥ लोभरामादिसकल
भूमकानेअवनोहिकुसलविसेषी ॥ अवधों
काकेसोसपरैगोकोहिनकुसंमततेषी ॥ ते
हिछनमहुवधुंउठिधाईगहेनीपतनमा
री ॥ जाठजाहकोरमहुवधुरिनचित्रकीने
अतुसारी ॥ मोरिकाहकारमाहिअभाइकव
कुरंगचित्रवनाये ॥ तेहिमारोगतअसके
छाभिभितवेभिनकुरंनछुपाये ॥ अतिग
उथेलतलाहिसमाचैत्रैजवनवनाये ॥ ज
गकपोलपरपरसमयावनकेउलूकअये ग
ये ॥ हहिंसमेकोठनअभाइकवककम्मुगा
लमहिषसा ॥ सल्पखानमंजारकुकुरा
ओकेउदरकुवेसा ॥ कूरमकृकलाकंठक
पोतजुगलैपास्वेधोरहिके ॥ गदरनकुल
आकुआसीविषगाहकारनपरकीहे ॥ मा
घवराहहरीवुसाषामृगपीठिदेसखोतमा
ठे ॥ काकवलाककउंटपरवडौरजरूपगर
चिकोठे ॥ ग्राहअजारसवअंगअअभाइकव

जोहिजोहि भाइहि मैसुषउपज्यो सो सो तुम स
भ्यो है जो सुष बसाय पुरहुं उलोचनिजा
हिंपितोतहपाहीं सषाअनुजउनगरनि
हमारीविसारि कबहुंजानिजोहि तुनिप्रभु
वचनजोरिकरभामिनिविनयप्रकारैपुमूणि
पै तुमतिनकोविसरोरउनेइनमिनेहैस
विसैराय अंपतिसुषप्रियजनरघुनेइनई
विसरैकिमिकवहुं मरनसीलजनजेरेत
ग्रसितजेमउरगप्रभिजापातवहुं जीवन
धनकोकेजातुमनउधिउषप्रपनेइं
नैनजेरमामाउरमरीतिपीरिकिमिसषस
पनेहुं जाहिबचनपहुंउनतरामकोसव
तनमनसरमानो जपाभाउप्रपसरोहे
प्रतीचौहिसिचकइसकुचानी पैवैकौलैलो
लजहमरोउरतिनकबहुंविसारी प्रसजा
नवउरजनकरायकेघरमैकोहमारी क
हलैकछुकहतबनेनहिभरीविवसजग
नारी तनप्रवकहतनहोबनिप्रावतज
सषाभिलाषहमारी तुमहिजाननहारीहो
पैकेप्रगटकहाकाहेहौ धिकजीवनजो
रहैहैहउनिविछुरतपरमसनेही गजप्र
हलैरचतउकिमावैमिलिप्रियफेरिविप्र
मा निधिदेषायफिरिवज्रप्रहारउ.पांहिसः

चावैंगावैंकरतोवैंवहुलीला ॥ तसनतमहिसैं
मषाश्रुतजनतुन रघुवरकौतुकलीला ॥ हँसैंता
रकाहेरहेरहसुषिहँसैंहेरहेगारी ॥ हँसनहँसत
अनिहाँसहुंहोंदेतिपीननकठेठगारी ॥
करोसिद्धुनिराजकुंवरवनमलगाणजेहि
हितजाउ ॥ विविधभजंतमैंआजुरीषप्रेमगठ
आपनेनाऊ ॥ असकछुहासविलासविवि
धिविधिकरीसमषिनकरयोयो ॥ परवतनग
मविलासरामकोमतिअवरूपहिगायो ॥ श्री
श्रीरामकलेवारहस्यपरमविलासे ॥ ना॰
सप्तविश्रामः ॥३७॥ तइपरिमिक्तिसषोभर
उधनोमगनप्रेमश्रुतरंगी ॥ सषाश्रुतजन
जुतराजकुंवरकेकरननिछावरिसंगी
अपसनारिजहँतहँतेआईकपटनारिसुजे
उ ॥ अतिअनुरागमगनमननिजनिजकर
हिंनिछावरितेउ ॥ मनिमानिकमुकुतापु
टभूषनहियअनरसुचिरवहुमोला ॥ तेसवदीहि
नियाचितननिपोननिजिनसदनकोहि
निकलोला ॥ दिउलीनिछावरिपायआप
इषोवसरोसुषरघनेरा ॥ निजघनदेषिध
६ नेंधनीनिहाँहिकोवाउरोकुवेरा ॥ तउपरिच
एककामसरहेजतनतमणोषिवहेतसवहिंको ७४

॰ मगानममनाचितभुषिब्रुऊथनीयमुदमो
रे जेतुवसंतनमधुमाधवमननीसिजचेलेभु
सेनवटोरी प्रीतिपरस्परदैसमाजमुषप्रेम
अपूषाहषारे जिनदेषातितकेऽमषकोकहे
जोहिआवेशरहआना ताहिहोपतिनहींको
सनतामानवचनप्रमाना पाहिविधिश्रा
श्रतराममषनजुतसषीसंगजेनभाई येक
सेतुचरीजायसुनेनहिआगषवीरजनाई
निजसमाजजुतमिलीऽनेनाचुमिवस्न
वैठारे चारिउफलहिनिकिंशेजथामल
केजतुसवपकवारे जेजुआनेदसिउमा
[illegible] कऽछिनपाहनपाई ऊनिजजुउम
कि [illegible] कोरिगाडारहीगीवजरनआई त
[illegible] नकहे [illegible] समरिपिकयोसुनहुरघु
राया जेचरीतुमजामातुहमारेहमपरतुम
रनदाया सुनहुरामअसकहीभागचतेको
नऽकृतअसगाता जेहितेजुरतकोनि
ह्रिविधितेअरचनापसीनाता तुमजामा
तुराउसेसमधीसुवाहभांतिसुषपावे यहा
निहारसरसुनिकोमिककोजिनयहजोगव
धावे येतारकनीपंनतीसुरतरमेलिमुम
वैजेतो येपालववेषवनिवाहयतवअपरा

सोकनरोगा ॥ येककहैंसोयिअसकोमनकाम॥
हमतोइनकोदासी ॥ पापपापअतिहोंआइहैंजो
हमप्रेमपियासी ॥ येकेकहैंपापकैसेपैवेपल्लक
कसुसमवीते ॥ केनजतनकोरप्रानतिजाइ
गोवेनारामअहसीते ॥ येककहैंसोयिसारकोहै
तोविधिहिनअसोचाहि ॥ प्रीतमपरमपियो
गरोगकोऔषधइकोनवेसाहि ॥ प्रेमबिवसरघु
नाथकृपानिधिकहेमधुरमृदुवानी ॥ हैसुव
इनतवप्रेमदेषिमोहिअवयजोकछुरतिठेलो
नी ॥ कोकहिसकैप्रेमअपारपूरनजनकरापर
खासी ॥ जैसहुनतरुहितसदेषोप्रेमसीलसु
रासी ॥ वारवारप्रभुउठैकरतहैंसषिकछुके
हावें ॥ प्रियवातेंकहिंकहिवेलमावें
तिनआवें ॥ [illegible] दोहा
[illegible]विलास[illegible]
मसवविविदिसवोधकरितिनोसियपायनडारी
तासुहेतुविनतीकीन्हीफिरीतियआईकसव
नारी ॥ तिन्हकेवचनसुनिसपाअनुजनउगचले
रामसुषपाई ॥ नारिवृहस्थजचरीसियकेसो
भावरनिनजाई ॥ नूपुरमंजीरकिंकिनी ॥
बांधिचलींजवनारी ॥ ठुमुकसकलमउम
नोहरछविनिनसमाणीगारी ॥ अनुजनसहित
नय
एकमोहोकिमिरघुवरसवसषीचहुंओरी ॥ प्रेमाने

उहोइसकलविघितोहिअजहरनमुसोता
जोजमकालमृतभयहरयकअलोदिकभ
पकारी सोउरातजरपितुसोघसुनइवग्र
हअवजेआतिभारी भुनिसठमरदुरगे
रविरहकीपरंपराभुनिगावै भतिविवस
कैसवकुछुकरतेभजननप्रभावहेखावै त
जनपविहोतकेयोरघुवरसोंतुम्हैकहोंक
मिजाऊ केवतननचहेजोइविचेपनप
लकोंनरोकिकाऊ

हिअमा ... पतामतवउठेकु
काने ओरोजेसवचेठसभोत
कुषसाने कोउवकुभुतसरवतेकहैमोऊ
सतानेहतेपापउ कोउकहेपरमकोत
कोनारहतिनसवमेहयतोपउ नाथि
नगतिसुनिभूपकौतुकोआतरतिनेवे
लापउ चित्रोचिन्हतनकालमिटेनीहि
चापचोइछुटाउ रचनाहषिहैसन्प
समभागुनिसवसकलवोता मचोहे
नआवेहकोताह ... समुझिपरेनहियात

जोन प्रफुल्लित होत तुम्हैं लषि कोन सुषी तुम
पूजे जगके प्रिय जग के प्रिय कर्ता मिथिलाधि
प बंधो वैसेषी तुम समान जीवन धन्य आपन
ओर कहै को लषी स्वसकाहि राम बहन बं
नकी रघुनिराखउरलाई जेतु जे हि हेतु की
न श्रम वहाँ रन सो फललेहो अघोर नगर
युवराज जो निसस्तु रसन के विचन जेमनी
ती हम तो धर्म केउ सभ्याउ के कसन न करत्व
सपीती जघाय सवाउन होन कुवाल को पिता
भक्ति ने हो ना तरपि मात्तु पितु छोह सो हित
पालत सो जानि उत होना तुम हमरे प्रे

समरसो

भाई ॥ पंचासतनपेचासनतेमानिहमसवहु
नाभालिपाई ॥ सारिनाहिहानवेसमानि
भूषनसरहजकेषुनलीन्हो ॥ नाऊनको
भोनिकिहिनविंवेनपोछेमिडलधन
रीन्हो ॥ सषाभ्रतापीभाद्दूसरधजजवीत
भूपभ्रतमानी ॥ चलीडठावनसकएक
मिलितुठेनभ्रोनीविसिभानी ॥ नपजुव
नासुभ्राहिरघुवरलीगिविनिविनिरोन्हे
निसारी ॥ गुरुवसिष्टकोसिकसमेतनृप
भ्रागपानसवभारी ॥ वडोचिन्हलागेउहमे
हेनृपडनकेसेकैजान्यो ॥ हमकोउजानी
नेकछुउनतिलतिलसकेलवषान्यो ॥ प
हिभ्रारऊनियचनेसषाकेभूपठवीनुस
कोने ॥ भ्रोरोजेसवयेठसभासहितेउहंसे
ठुषसाने ॥ कोउवहुभ्रुनसरवरीकहैकोउ
सनानेहितेपापउ ॥ कोउकहैपरमेकोउ
कीनारद्दतिनसवभेद्दधनोपउ ॥ नापु
नगतिसुनिभूपकोतुकोभ्रातिरतिहेवी
लाघउ ॥ चित्रविन्हतनकालमिटेनोहिंग
हीपवोरहुछुटाघउ ॥ रचनोहिषिहेनृप
समभागुनिसवतकलवराता ॥ भचोहो
तभ्रानहिकालाहलसमुभिपरेनाहिवाता

गईहैहीं ग्रीहविधिग्रानेमुछेन्नसवनेगा
प्रजनेनवासेग्राये उजारिपितायसिवको
सिकहोग्रनिसग्रेनिसिरनाये जेवसेव
मुनिगनेग्रहहिजगनजपाउचितनति
कीन्ही तेसवभांतिप्रसन्नरामजापरम
ग्रासिषाहीन्हो तेहिप्रकारसवसषाग्रनु
जकृतेग्रासिषपायउधारी चुमेवदनसी
सजीयुग्रनकोरिभूपनि कठवैठारी पुछन
लागिविहासिमिलेस्वरनातवेतवविड
लाई काहेनुकहेकोनरघुनंदनेकेसिम
ईपकुनाई केसेभाग्रकिंग्रासारेसरहजे
नकैसभाविग्रसाऊन काहेनेगपारोक
हिहैन्होनातकहोकिनग्राऊन रामसकु
चवसउत्तरनदीन्होरहेमउकाहलजाई
उनपुछोनिकुभाइन्हभूपतितेऊरहेसकु
चाई तउपारसवग्रनुविषिरवोलेसुनोता
नभूपाला ईसकुचेनाहकोहेग्राउसननमे
सवकहोहरवाला जोजगजन्महेइवाघ
ग्रैसोसवोहमिलोसमुरारी सारीसरहज
सासप्रीतिकोकहलागकीहिविस्तारी रा
मेमिलीवचमानिहुइसनएकएकसव

लाडिलीमैपहचानिउठाई ग्रहरस्याकुवं
समभमेडाअन्यसीषनाहिषांउं जोहिप
रस्पुरविसिअवचणारितजिओरकहूंनाहि
जाऊं पितानुलारवहुतेकछुहीकोराउ
वहुतेकछुपाशा तुमसीधरीहैंसंपरापा
ईअवग्नहकोहनआशा औरऔरकेओ
रनेगहैंहमएकैपहुणावै फिरिकवहूंन
30 जोहिकछुजेघरवेहेतनआवै याहिअव
मआवैजेबहुलोहिनिहमैनेगहैराउन
तवभोगेसन्याहिकसोषिनपूछिलेउनि
जसाहुन सुनिवारिहांसअनुगेलअव
रिहुटविचमछकानी मनोहचारीवि
धुमरपेअतनधनडपरप्रभापहराती त
वतीन्यूरानीहंसिवोलीं सत्यकहेपहभा
टिनि जोमागै सोहेउप्रीतिजुतपहहमा
रिकुलपारिटेनि अवमैपाईचोकिंउंहकुरे
नूजोहमकाइनचीन्हा मुंहरवहनस
कोमलनैननमोहिचितेहैंसिहीन्हा
अवचाहिहोंतवमागिलेहोंमैमोरकहूंन
हिजाई जसजसहरहोवढोहाइप्रीत
सबरबेसमवाई सहअचलपाहिय

येहिप्रकारआनंदउमंगिदीसपरमविला
ससोहाग ॥ सज्जनमनभेमिलेउअपने
मनजथारुचमातिमैगाई ॥ जसमनमहि
पप्रेरनाकीअस्रजेसमनमातीहलेषा
ये ॥ पर्वतनहसंतपदरजोसिरोषिच
रितसहगाये ॥ दोहा ॥ जेसुनिहैंकरिप्री
तियहजोकहिहैंकोरिभाव ॥ तिनकेंह
रमविलासयहकरिहेंतुरतप्रसाव ॥ १
सीतारामरहस्ययहभनकरिसकछुषम
ल ॥ ध्यानमननकोरिहेजेईतिन्हेंदंपति
अनकूल ॥ २ ॥ भक्तिहास्यसृंगाररसत्रेप
रसमिश्रितस्वाद ॥ जेपैहैंजानिहैंतेईस
परसुवीरप्रसाद ॥ ३ ॥ कहैंसुनेंजेध्याहमा
सावधानकरिभाव ॥ शांतहोइसवोखसु
भोइनोहिनमंगलचाव ॥ ४ ॥ इतिश्रीजन
कलेवारहस्येपरलोलासपरवतन
नकृतेएकोनविंशतिमः ॥ १९ ॥ श्रीय
चतुर्भागिनीरहस्यविलास ॥ हेइ
सरयकोपतोहहैंकछुनेगहमोरा
मेतुमोहरेभरिषनकेवोइनिर्वोइतस
कलसमारा ॥ जवतेचलितश्वरोहितमे
तवतेमेलीनहमराई ॥ केवलतुम्लरेहेत

है कहै कबीर भले भए भौंदू जो हिंदू होहि
समझ्या तुरक न हिंदू १ जो कोइ रैन व
हि रहै मार मैं नै लाये डोरी पवन पामै
रहै कुमति कीरत हसाधु संग निखर
नि मालागहै हिन सीतललीन मारग
सहज वाहनि वहै कुमति कर्म कठोर का
है नाम पारिक रहै राति दिन षिन ना
हि छूटै भगति सोई अहै जगजिवनदास
अस संत कोई कोइ सब कीगति कहै २
दूलन यह मत गुप्त है प्रगट न क
रीये षान यह मतये सब पाइये ज्यो वि
धवा श्रंगार ३ दूलन यह परवार स
व नहि ना उसंजोग उनीर सवै जहत्त नहच
ले सबैव एकलोग ४ व्याले आपो व्याले
जाउगे सषी अब सकहा को मनहजार गो
हका छल्ला मे संग नजा नछठंको वाकी है
न रकार किजनी व्यामर जाल जानाको त
म चाकर रोटी कपरा के पेट भरो तन ठौंका:
५ गगन मे आवाज होती भीनी कोइ सुन
ता है तरसानी पहिले आयो नाद विंदुसों
उपरज माया पानी तामे पुरन पुरि रहो है अल
ष धनि वोनी कुपंते आप आपनो लषाइके
[illegible] नहि वाकोनी ६ अवच [illegible]

तरहैंसुरनहोईउरजुरधारी ॥ आगानेअवि
रूपतिनैकाप्यारीहोइऐसोसहमारी ॥ ज
नपरवत्तजेपरमउपासकरसमाधजैहि
जानन्न रहसिध्यानतेजेनितपाइसुषहो
इपरमगलतोना ॥ [illegible] ३२
[illegible]
[illegible] ॥ लिषितंभगवानहीनपांडे
तुलसीउरकेहदुवस्तरामउरकेपाठार्थ
मशामहेस्वरसिंहजूकौ ॥ सम्वत् १८६३
३२ शाके १७२८ ॥ माघमासेशुक्लपक्षेतिथौ
एकादस्यां गुरुवासरे समाप्तम् ॥ शिवशंकर
कीजैसीतारामकीजैजनकपुरवासिनकी
जैअवधवासिनकीजै ॥ वेरागीउअनेषी
वत्तीकैराजाकेहरत्ताहैं ॥ सुषकीतेवेछार
नआवेदुषकोमेहदयरत्ताहैं ॥ यहदुनियां
ज्योंकीचउदलदलजोआयासोफसत्ताहै ॥
इसनगरीकोभाडोनआराराषमहगाउ
षसत्ताहै १ ॥ हिंदूतुरुकरोयकसबी ॥ उन
लेमालाउनलैतसबी ॥ वैदेवलपूजैवैगा
र ॥ पूजनहाराकैमतिलेचारा ॥ वैपूरवदै
पछ्योनहारोहि ॥ सिरधरतीमहहैमार